कार्यालय जिला पंचायत (ग्रामीण विकास), छिन्दवाड़ा

मोक्षधामों पर होगा शांतिवन का निर्माण
श्मशान, कब्रिस्तानों के कायाकल्प के लिए जिला पंचायत ने बनाई योजना

जिले के सभी श्मशान और कब्रिस्तानों के कायाकल्प हेतु जिला पंचायत, छिन्दवाड़ा द्वारा राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी स्कीम - म.प्र. के तहत "शांतिवन" नाम से एक योजना बनाई गई है । इस कार्यक्रम के तहत सभी श्मशानों और कब्रिस्तानों पर पौधरोपण किया जाएगा, साथ ही पानी की व्यवस्था भी की जाएगी ।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री बी.एम. शर्मा ने बताया कि जिले के विकासखण्ड अंतर्गत आने वाले सभी गांवों के श्मशान और कब्रिस्तानों में बड़े स्तर पर पौधरापण किया जाएगा, साथ ही इसकी सुरक्षा की दृष्टि से तीन फीट उंची बोल्डर वाल बनाई जाएगी और लोहे का गेट भी लगाया जाएगा । पौधों की देखरेख के लिए एक चौकीदार भी रहेगा । इसके अलावा पानी की व्यवस्था के लिये सीमेंट की टंकी का निर्माण भी कराया जाएगा । इसकी लागत लगभग 2 लाख रूपए आएगी । श्री शर्मा ने बताया कि जिस गांव में जितना बड़ा श्मशान या कब्रिस्ताना होगा, वहां उतने ही क्षेत्रफल में पौधरोपण किया जाएगा । श्मशान में बनी पानी की टंकी में पानी की व्यवस्था के लिए एन.आर.ई.जी.एस. की उपयोजना निर्मल नीर के तहत कुआं भी खुदवाया जा सकता है ।

श्री शर्मा ने बताया कि शांतिवन कार्यक्रम के तहत होने वाले पौधरोपण में गांव के जॉबकार्डधारी मजदूरों को रोजगार तो मिलेगा ही, श्मशान/कब्रिस्तानों का सौंदर्यीकरण भी होगा । पर्यावरण संरक्षण की दिशा में यह प्रयास सार्थक साबित होगा । विदित हो कि जिले के गांवों के कई ऐसे श्मशान और कब्रिस्तान हैं जो बदहाल स्थिति में हैं । इस पहल के बाद श्मशान, कब्रिस्तानों का कायाकल्प होगा और अंतिम संस्कार के समय आने वाली पानी की दिक्कत से भी छुटकारा मिलेगा ।

कौन-कौन से पौधे लगेंगे :- शांतिवन कार्यक्रम के तहत होने वाले पौधरोपण में लगभग आधा दर्जन प्रजाति के छायादार पौधे लगाए जाएंगे । इनमें नीम के 100 पौधे, गुलमोहर के 100 पौधे, करंजी के 100 पौधे, बड़ और पीपल के 5-5 पौधे और रतनजोत के 1000 पौधे लगाए जाएंगे । पौधों की यह संख्या एक हैक्टेयर क्षेत्रफल वाले श्मशान/कब्रिस्तान के लिए है । अधिक क्षेत्रफल वाले श्मशान/कब्रिस्तान के लिए पौधों की संख्या भी बढ़ जाएगी ।

(द्वारा - मीडिया ऑफिसर, जिला पंचायत, छिन्दवाड़ा)